वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 165 | गुरुवार 12 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

गुटखा खाने वाले गुटखा खूब खाएं, बस इतना सा ही सोचें खाते समय कि 'ये कैंसर का बीज है'

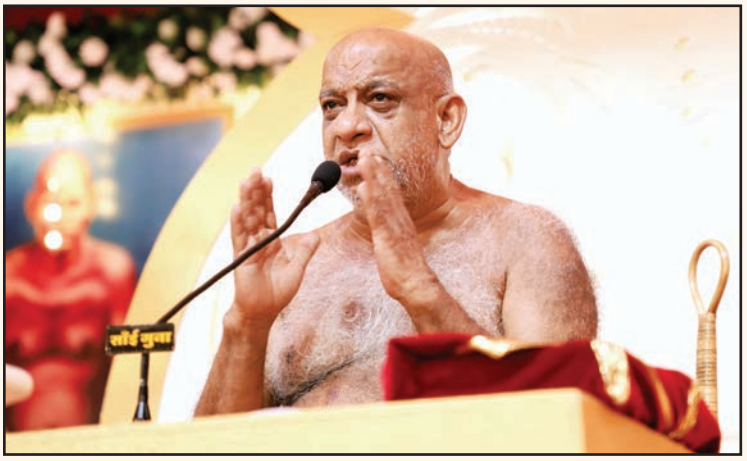

आगरा. शाबाश इंडिया

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सागर सभागार में मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए कहा कि जैनाचार्यो ने यह अलौकिक रहस्य दृष्टि का खोला कि तुम कैसे राग द्वेष से बच पाओगे, तुम अपने तरीके से सोचोगे, न जाने कितनी वस्तुये तुम्हें बुरी लगेगी, न जाने कितनी वस्तुये तुम्हें अच्छी लगेगी और जितनी वस्तुये तुम्हें बुरी लगेगी, वे सब तुम्हारी दुश्मन हो जाएगी, तुम्हारी विनाशक हो जाएगी क्योंकि जब व्यक्ति स्वयं की दृष्टि से देखता है तो दुनिया में अच्छी वस्तुएं बहुत कम है जिनको तुम चाहते हो। वे वस्तुएं बहुत कम गिनती की है क्योंकि तुम उसी को चाहोगे जिससे कोई तुम्हारा स्वार्थ होगा, तुम्हारा कोई ना कोई लाभ होगा। व्यक्तिगत एक सबसे बड़ी कमी है वह सत्य को, अच्छे को नहीं चाहता, वह स्वार्थ को चाहता है। मेरा प्रयोजन किससे सिद्ध है, मेरे काम में कौन आएगा बस उससे मतलब है। यदि उसे पता चले कि इस असत्य से भी मेरा कल्याण होगा, वह असत्य को स्वीकार कर लेगा। वह सुदेव को जानते हुए भी कुदेव के पास क्यों चला जाता है, जानता है कि ये तंत्र मंत्र खोटे है फिर भी क्यों स्वीकार कर लेता है। सब जानते है कषाय बुरी चीज है चोरी बुरी चीज है, पाप है फिर भी करते है। मात्र तात्कालिक स्वार्थ वो तुरन्त खाने में अच्छा लगता है, ये है बाल बुद्धि। बाल बुद्धि का सबसे बड़ा लक्षण है जो आगे - पीछे पर विचार न करके तात्कालिक परिणामो पर विचार करता है उसको बालक बोलते है। वर्तमान में बच्चे को मिट्टी अच्छी लगती है वो विचार नही करता। ज्ञानी किसे कहा जो त्रिकाली स्वभाव को समझता है। मात्र वर्तमान को ही समझ रहा है और अतीत का ज्ञान उसे नही है तो सम्यक दृष्टि नही है। वर्तमान का ज्ञान इतना ही है कि मैं बालक हूँ, मैं मनुष्य हूँ। अभी व्यक्ति जिंदा रहने की सोच रहा है लेकिन एक

दिन वो आएगा यहाँ का हर व्यक्ति मरने की सोचेगा क्योंकि इतनी ज्यादा बीमारियाँ हो जाएगी कि व्यक्ति जिंदा रहने की इच्छा ही नही करेगा वो कहेगा मर जाना ही ठीक है और मात्र एक कारण बनेगा विज्ञान का। विज्ञान तुम्हे इतना दुखी कर देगा मन से, इतना त्रस्त कर देगा तन से कि तुम डिप्रेशन में जाओगे।विज्ञान ने मेडिसिन का विकास नही बीमारियों को उत्पन्न किया है। ये पॉलिसी है कि बीमार करो और व्यापार करो। इनका सिद्धान्त है अपनी दवाई में ऐसी दवाई डालो कि जिस बीमारी से वो दुखी है ठीक हो जाये और दूसरी बीमारी शुरू हो जाये, दूसरी से तीसरी। कुल मिलाकर एक बार दवाई शुरू होने के बाद दवाई चलते रहना चाहिए। वर्तमान को समझो थोड़ा। हम अतीत में तुम्हे ले नही जा रहे है, अतीत को तुम्हे याद करा रहे है। जब हमारा मन मचलने लगे तो आचार्य भगवन कहते है कि इसको नरको के दुख याद दिलाना कि देख तूने अतीत में ऐसे दुख भोगे। महानुभाव अतीत के कभी बुरे दिनों को मत भूलना। माला पहनाने वाली फोटो जड़ के रखो या न रखो लेकिन किसी दिन किसी में जूते पड़े हो तो उस फोटो को अपने कमरे में अवश्य रखो और उसको देखते रहना। गुटखा खाने वाले गुटखा खूब खाये, बस इतना सा ही सोचे खाते समय कि 'ये कैंसर का बीज है'। यदि मैं तुम्हारा गुरु हूँ तो, यदि तुमने कभी मुझे नमोस्तु किया है, मेरे प्रति थोड़ी भी श्रद्धा है तो आज के बाद गुटखा खाना तो ये कैंसर का बीज है ऐसा सोचकर के खा लेना और जिसका बीज बोया जाए फसल उसकी होती है या दूसरी। किसका बीज बोया है कैंसर का, तो कैंसर ही होगा। मेरा दावा है तुमने सच्चे मन से गुरु मानकर के इतनी सी बात कही होगी तो छह महीने के अंदर आप श्रीफल लेकर आओगे और कहोगे मुझे कैंसर की नही धर्म की बोनी करना है। तुम रात्रि भोजन करना, नही मानोगे, नियम तो नही दे रहा न। बस खाने के पहले ये सोच लेना- ये मैं माँस खा रहा हूँ। खाने की मना नही कर रहा हूँ। अलग अलग आइटम पर सबका नाम रख देना ये सुअर का, ये अंडा है। गर सच्चा जैन का खून है तो रात में तो खा लेगा लेकिन माँस नही खा पायेगा। इतने मात्र से तुम सम्यकदृष्टि हो जा ओगे और मांस खाने वाले की क्या गति होती है यह विचार कर लो, तुम्हे रात्रि भोजन छोड़ना नही पड़ेगा, तुम्हारा सबकुछ छूट जाएगा। मंगल प्रवचनों से पूर्व वात्सल्य सेवा समिति अवधपुरी की बालिकाओं ने शानदार मंगलाचरण की प्रस्तुति दी साथ ही सभी अतिथियों एवं आगरा युवा मंडलों का श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के पदाधिकारीओं ने माला पहनकर सम्मानित किया गया। इसी बीच चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन गणमान्य बंधुओं द्वारा किया गया। अब श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति आगामी आयोजनों की तैयारी में जूट कई है। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में अक्टूबर और नवम्बर माह में अनेक कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार की जा चुकी है। धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल ने किया। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,नीरज जैन जिनवाणी,हीरालाल बैनाड़ा, मनोज बाकलीवाल, पन्नालाल बैनाड़ा, निर्मल मोठया, राजेश जैन सेठी,अमित जैन बॉबी, अनिल जैन नरेश जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राहुल जैन,पंकज जैन, शिवम जैन, रवि जैन, शैलेंद्र जैन अंकेश जैन, सचिन जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट: मीडिया प्रभारी शुभम जैन

परम्परा और आधुनिकता की जुगलबंदी पर खूब रीझे खरीदार

हिडन ट्रेजर्स द्वारा आयोजित द उदयपुर फेस्टिव लाइफस्टाइल एग्जिबिशन सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

चाहे कला को सहेजने की बात हो या कला के नवरूपण की बात हो, परम्परा को आधुनिक रूप देने की बात हो या आधुनिकता में परम्पराओं की खुशबू मिश्रित करने की बात हो, आज के हुनरमंदों के लिए कुछ भी असम्भव नहीं है। कुछ ऐसे ही हुनरमंदों की कला बुधवार को झीलों के शहर उदयपुर में जीवंत हो उठी। महिला आधुनिक परिधानों की श्रृंखला में परंपराओं के लाजवाब मिश्रण और कला के दर्शन ने प्रदर्शनी में आए तमाम खरीदारों को भी खासा प्रभावित किया। कहीं शिफॉन की साड़ी पर कशीदाकारी के काम ने आकर्षित किया तो कहीं तांबे की कलाकृतियों पर कृष्ण लीला के दर्शन ने ध्यान खींचा। इतना ही नहीं, प्रदर्शनी में लगी पारंपरिक और आधुनिक आभूषणों की विस्तृत रेंज ने भी आमजन को खासा लुभाया। मौका था हिडन ट्रेजर्स द्वारा आयोजित द उदयपुर फेस्टिव लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का। उदयपुर के लेक एंड होटल में बुधवार को आयोजित इस

एग्जीबिशन में कई डिजाइनर्स ने अपने कल्पनाओं को अपने हुनर के माध्यम से परिधानों को विविध रूप में प्रदर्शित किया। एक से बढ़कर एक परिधानों पर ऐसी कलाकृतियां थी जिसने वाकई साबित किया कि हिडन तेजस ने हुनर के छिपे खजाने को ढूंढ निकाला। दीपावली से ठीक पहले हुए इस शॉपिंग उत्सव में परिधानों के अलावा आभूषण, सजावटी

सामग्री व अन्य हस्तशिल्प उत्पाद भी आकर्षण का केंद्र रहे। एक सामान्य सी साड़ी या कुर्ते पर भी कलाकारों की कुशल कारीगरी ने उन परिधानों का आकर्षण कई गुना बढ़ा दिया। हर परिधान, हर आभूषण बरबस ही सभी को अपनी ओर खींच रहा था। इस फेस्टिव में जयपुर की एथनिक डिजाइनर हर्षा सिंह का कलेक्शन भी छाया रहा। हर्षा सिंह का पिरोजा ब्रांड के कलेक्शन में शिफॉन पे जरदोजी, आरी तारी के काम ने हर खरीदार को लुभाया। उदयपुर शहर में पहली बार आई डिजाइनर हर्षा सिंह ने बताया कि उदयपुर में उनका पहला अनुभव है और उदयपुर के लोगों का प्यार और एथनिक कलेक्शन के प्रति उनके रुझान ने उनको अभिभूत किया है, अब उदयपुर के साथ उनका जुड़ाव और प्रगाढ़ हो गया है। उदयपुर के लोगों को आधुनिकता के साथ परंपरा का मिश्रण ज्यादा भाता है। उदयपुर के लोग पारंपरिक डिजाइन और पारंपरिक कारीगरी को पसंद भी करते हैं और उसे प्रोत्साहन भी देते हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ नई पीढ़ी में पारंपरिक भारतीय पहनावे के प्रति लगाव ने बदलाव के दौर की अलग संभावना को जगाया है। रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

15 अक्टूबर से होगा चौबीस समवशरण महा मंडल विधान

आत्मा का कल्याण धर्म ध्यान से ही होगा : आचार्य श्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। अपनी आत्मा का कल्याण धर्म-ध्यान से ही होगा धर्म-ध्यान से पहले आर्त्तध्यान जो इष्टवियोग, अनिष्ट संयोग पीड़ा चिन्तवन और निदान रूप हैं व रौद्र-ध्यान जो हिंसानन्द, मृषानन्द, चौर्यानन्द और परिग्रहानन्द रूप हैं वे जीवन के सबसे बड़े शत्रु हैं, उनसे छुटकारा पाना होगा। तभी शरीर तो पुद्गल और आत्मा अजर-अमर-अवनाशी है, यह भेद-विज्ञान अंतर में अनुभव हो पाएगा। स्वयं के अंतर में जब ऐसा ज्ञान का दीपक जलने लगता है, तब ही समझना कि धर्म ध्यान मेरे जीवन में कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। धर्म ध्यान के बाद ही शुक्ल ध्यान हो पाता है संसार से मुक्ति पाने के लिए धर्म ध्यान आवश्यकता है उक्त आश्य केउद्गार आचार्यश्री आर्जवसागर जी महाराज ने गांव मन्दिर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि 15अक्टू से 23अक्टू तक प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस के निर्देशन में श्री मद् जिनेन्द्र चौबीस समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है इस हेतु कटनी से विजय कुमार विश्व वल्लूभ इया की टीम दिन रात काम कर चौबीस समवशरण को तैयार कर रही है इसमें आप सब बैठ कर महा आराधना कर सकें इस दौरान जैन युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ससंघ केसान्निध्य में होने वाले समवशरण महा मंडल विधान में बैठने वाले सभी पात्रों को हार मुकुट माला के साथ ही इन्द्र इन्द्रणी को पीत बस्त्र कमेटी द्वारा प्रदान किए जाएंगे आप अपने परिवार मित्रों के साथ भी समवशरण में बैठकर महा पूजन का सौभाग्य अर्जित कर सकते हैं इसके पहले गांव मन्दिर पहुंच ने पर कमेटी अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद संयोजक मनीष सिघई अरविंद कचंनार नरेश एडवोकेट संजय मुडरा धर्मेन्द्र जैनसहित सभी भक्तों ने श्री फल भेंट किए।

आचार्य वसुनन्दी के दीक्षा व धर्म जागृति संस्थान के स्थापना दिवस मनाया

संस्थान के सदस्यों का प्रत्येक क्षण व कण अर्पित हो धर्म व धर्मात्मा की रक्षा में: मुनि ज़िना नन्द

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य वसुनन्दी मुनि राज के दीक्षा दिवस तथा प्रांतीय धर्म जागृति संस्थान के स्थापना दिवस पर बुधवार को संस्थान के पदाधिकारियों ने प्रेरणा श्रौत आचार्य वसुनन्दी के शिष्य मीरा मार्ग में प्रवास रत मुनि त्रय सर्वानन्द , ज़िनानन्द, व पुण्यानन्द को आचार्य श्री की स्तुति व अर्घ्य बोल कर श्रीफल समर्पित किये । संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला व पदाधिकारियों ने मुनि वर से संस्थान व सदस्यों को आज के विशेष दिन धर्म प्रभावना व साधु सन्तों की निरन्तर सेवा के आशीर्वाद हेतु निवेदन किया । मुनि ज़िनानन्द ने कहा की पंचम काल में तन का मन का धन का व समय का सही जगह सही समय व सही भावों के साथ उपयोग हो जाना मायने रखता है । धर्म की जाग्रति कर्ता पूज्य गुरुदेव के परम आशीर्वाद से आप सभी के जीवन का एक एक कण व एक एक क्षण धर्म की रक्षा तथा धर्मात्मा की रक्षा में व्यतीत हो तथा सभी का समय सही बना रहे इसी मंगल भावना के साथ सभी को आशीर्वाद दिया । संस्थान के महामन्त्री सुनील पहाड़िया , पंकज लुहाड़िया , राकेश मधोराजपुरा, महेश काला,भाग चंद मित्रपुरा , राजेंद्र पापड़ीवाल , सुरेंद्र काला ,कमल चंद जैन सहित सभी ने शीघ्र ही संस्थान की और से मुनि त्रय के सानिध्य में धर्म प्रभावना के वृहद् कार्यक्रम की भावना जतायी ।

जैन बैंकर्स फोरम का सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम

जन कल्याण के कार्यों का लिया संकल्प, त्यागी व्रतियों का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन बैंकर्स फोरम जयपुर की दिनांक दिनांक 10/10/23 को सामूहिक क्षमावाणी एवं त्यागी व्रतियों के सम्मान कार्यक्रम का दुर्गापुरा जैन मंदिर में आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भक्तामर के श्लोक के साथ की गई। सचिव सुनील काला ने सदस्यगण द्वारा अल्प सूचना पर भी मीटिंग में भाग लेने पर उनकी समाज हित में सक्रियता को इंगित किया। भागचंद जैन मित्रपुरा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में फोरम के द्वारा किए जा रहे बैंकिंग संबंधी समस्याओं के समाधान एवं सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में भागीदारी पर प्रकाश डाला । बैंकर्स से समाज के सभी वर्ग जुड़े हैं, जन धन खाता खुलने के बाद कह सकते है कि एक एक व्यक्ति बैंकिंग सेक्टर से जुड़ा हुआ है एवम जैन बैंकर्स फोरम अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन पूर्ण मनोयोग से कर रहा है। राजस्थान जैन युवा सभा के अध्यक्ष जो कि जैन बैंकर्स फोरम के संरक्षक भी है प्रदीप जैन लाला ने समाज हितार्थ एक हेल्प लाइन शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। विभिन्न बैंकों के शीर्ष प्रबंधन श्रेणी के पूर्व अधिकारी गण यूनियन बैंक से अशोक जैन पूर्व महा प्रबंधक , राजस्थान मरुधरा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के पूर्व चेयरमैन ज्ञानेंद्र जैन एवं सुबोध जैन, पूर्व उप महा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक ने इस तरह के आयोजन की आवश्यकता, जैन एकता, सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर भाग लेने की आवश्यकता पर जोर दिया एवं कहा कि बैंकिंग सेक्टर देश के आर्थिक विकास की धुरी है एवम जैन बैंकर्स फोरम समाज का एक ऐसा संगठन हैं जो कोई भी चुनौतीपूर्ण कार्य सहज ही वहन कर सकता है । साथ ही जन हित के सभी तरह के कार्य भी फोरम को अपने आगामी कार्यक्रमों में सम्मिलित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वहन करने की आवश्यकता बताई। कमलेश पांड्या ने संगठन के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान जैन बैंकर्स वर्ग प्रकाश चंद गंगवाल जनकपुरी, जयपुर द्वारा सोलह कारण व्रत/उपवास एवं 2) निर्मल कुमार पाटोदी सेक्टर 5 प्रताप नगर जयपुर द्वारा दशलक्षण उपवास किए जाने पर मुख्य/विशिष्ट अतिथियों एवं कार्यक्रम में सम्मिलित सभी सदस्यों द्वारा संयम, तप, त्याग की अनुमोदना में दोनो त्यागियों का तिलक, माल्यार्पण, दुपट्टा, शाल एवं साफा पहना कर हार्दिक अभिवादन किया। सभा में भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक, यूनियन बैंक, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा, बैंक ऑफ इंडिया, आरएमजीबी, पीएनबी आदि बैंको के सेवा निवृत एवं कार्यरत तथा दिगंबर एवं श्वेतांबर वर्ग से अजीत जैन, सुरेश जैन, विमल जैन, राजेंद्र पापदीवाल, कमल जैन सेवा वाले, राजेश कुमार, कमल कुमार, नवीन गंगवाल, नरेंद्र सेठी, दिनेश जैन, राजीव पांड्या, सुभाष जैन, धन कुमार जैन, मुकेश जैन, धनु जैन, सुशील जैन, कृष्ण कुमार अजमेरा, जितेंद्र जैन, सुरेश। जैन, ललित जैन, अजय पांड्या, अनिल छाबड़ा, आनंद प्रकाश, राजेश जैन, राकेश पांड्या, अजीत जैन, नवल किशोर जैन, निहाल जैन, अनिल जैन, जेके जैन कालाडेरा आदि 50 से अधिक जैन बैंकर्स ने भाग लिया। अंत में कार्याध्यक्ष पदम बिलाला ने आगामी कार्यक्रम की रूपरेख बताई एवं सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सभी ने खोपरा मिश्री के सेवन के साथ सामूहिक क्षमावाणी की।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023 के लिए केन्द्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को निमंत्रण

विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक दें अग्रबंधुओं को प्रतिनिधित्व

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रवाल समाज समिति हर वर्ष की भांति ''श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023'' भी इस वर्ष भी 15 से 21 अक्टूबर तक धूमधाम से मनाएगी। इस महोत्सव के लिए बुधवार को श्री अगवाल समाज समिति जयपुर का प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला के नेतृत्व में केन्द्रीय विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मिला और उन्हें ''श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023'' के लिए निमंत्रण दिया जिसे केन्द्रीय मंत्री ने स्वीकारते हुए महोत्सव में आने की स्वीकृति प्रदान की। इस मौके पर समिति के प्रतिनिधियों ने आगामी विधानसभा चुनाव में अग्रवाल समाज को अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व देने की मांग की,साथ ही केन्द्रीय मंत्री के समक्ष जयपुर के हैरिटेज संरक्षण व डिजिटाईलेशन की बात कही। इस मौके पर राज्यसभा सांसद घनष्याम तिवाड़ी, जोधपुर एम्स के चैयरमेन डॉ.एसएस अग्रवाल, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह, जयंती समारोह के मुख्य समन्वयक अशोक गर्ग, रतेश बजाज, दिनेश गर्ग व कार्यकारिणी सदस्य सुभाष मैड़वाला सहित अन्य लोग मौजूद रहे। महोत्सव के मुख्य संयोजक व प्रभारी उपाध्यक्ष पवन गोयल होटल सफारी वालों ने बताया कि महोत्सव को लेकर आज समाज के 300 युवाओं की एक बैठक श्री अग्रसेन सभागार में आयोजित की गई। बैठक में श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023 में अधिक से अधिक संख्या में समाजबंधुओं को कैसे जोड़ा जाए, इस पर चिंतन किया गया। प्रभारी उपाध्यक्ष सुनील मित्तल व कोषाध्यक्ष प्रहलाद राय दादियावाले ने बताया कि जयंती 15 से 21 अक्टूबर तक संत-महंतों के सानिध्य में मनाई जाएगी। श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023 का शुभारंभ 15 अक्टूबर को सुबह 9 बजे ध्वजारोहण व महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना से होगा। इसीदिन शाम को चांदपोल के श्रीअग्रवाल सेवा सदन से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में करीब 20 हजार के आसपास समाज बंधुओं के एकत्रित होने की संभावना है। शोभायात्रा के संयोजक रमेशचन्द डेरेवाला नेबताया कि भव्य लवाजमें के साथ निकलने वाली इस शोभायात्रा में एक दर्जन के आसपास झांकियां सम्मिलित होगी। मार्ग में विभिन्न मंदिरों के संत-महंत व्यापारी गण,सामाजिक व राजनैतिक संगठनो के प्रतिनिधि आरती उतार स्वागत करेंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 17 अक्टूबर को खेलकूद प्रतियोगिता व श्री अग्रसेन मेडिकल कैम्प का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 19 अक्टूबर को अग्रवाल महिला सम्मेलन व समापन 21 अक्टूबर को प्रतिभा सम्मान समारोह से होगा।

वेद ज्ञान

संयम है समाधान

मेरा दृढ़ विश्वास है कि आज जो बड़े कहलाने वाले लोग हैं, उनकी जीवन-शैली संयम प्रधान हो जाए तो हिंदुस्तान का कायाकल्प हो सकता है। हर व्यक्ति समस्याग्रस्त है। कुछ समस्याएं बाहर की हैं और कुछ भीतर की। समाधान सभी चाहते हैं। एक मनीषी ने लिखा है यह शरीर नौका है। यह डूबने भी लगता है और तैरने भी लगता है, क्योंकि हमारे कर्म सभी तरह के होने से यह स्थिति बनती है। इसीलिए बार-बार अच्छे कर्म करने की प्रेरणा दी जाती है। हमें यह समझ लेना चाहिए कि जिस प्रकार एक डाल पर बैठा व्यक्ति उसी डाल को काटता है तो उसका नीचे गिर जाना अवश्यंभावी है, उसी प्रकार गलत काम करने वाला व्यक्ति अंततोगत्वा गलत फल पाता है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि आज जो बड़े कहलाने वाले लोग हैं, उनकी जीवन-शैली संयम प्रधान हो जाए तो हिंदुस्तान का कायाकल्प हो सकता है। इस संदर्भ में जब भी सोचता हूं महामात्य चाणक्य का चरित्र अनायास ही याद आ जाता है। गुप्त साम्राज्य के संस्थापक महामात्य चाणक्य बुद्धिमान, न्यायी और कूटनीतिज्ञ थे। अकेले अपने दम पर उन्होंने अन्यायी सत्ता को उखाड़ फेंका और चंद्रगुप्त को राज्य सिंहासन पर बैठाकर ऐसी सत्ता कायम की, जो आज भी स्वर्णयुग के रूप में याद की जाती है। इतने विशाल राज्य का प्रधानमंत्री होकर भी चाणक्य झोंपड़ी में रहते थे। संपत्ति के नाम पर झोंपड़ी में कुछ उपले, कुछ साधारण पात्र, साधारण बिछौना, अध्ययन के लिए कुछ ग्रंथ ही थे। एक दीया निजी कार्यों को लिए था, दूसरा राज्यकार्य में काम आने वाला। अपना कार्य करते समय चाणक्य राज्य द्वारा प्रदत्त दीपक को बुझा देते और अपना व्यक्तिगत दिया जला लेता। नैतिकता और प्रामाणिकता का यह जीवंत उदाहरण भारतीय संस्कृति में अन्यत्र तलाशने पर भी नहीं मिल सकता। आज के मंत्रियों और राज्यकर्मियों के लिए तो यह स्वप्नवत है। व्यक्तिगत जीवन की यह उत्कृष्ट शुचिता इस दुनिया में अपना उदाहरण छोड़कर शायद चाणक्य के साथ ही चली गई। सामाजिक परिवर्तन का एक अच्छा रास्ता यह है कि बड़े कहे जाने वाले लोग अपनी जीवनशैली को संयम प्रधान बनाएं। बड़े लोगों में बड़े व्यापारी उद्योगपति, सांसद, विधायक मंत्री और सामाजिक नेता-ये सभी आ जाते हैं। अगर इन लोगों के जीवन में संयम आ जाए तो नीचे तबके के लोग स्वयं प्रेरित होंगे।

संपादकीय

चुनाव का समय, पांचों राज्य में जीतना होगा भरोसा

पांच विधानसभाओं के चुनाव की तारीखें घोषित हो गई हैं। छत्तीसगढ़ को छोड़ कर बाकी सभी राज्यों में एक ही चरण में मतदान कराए जाएंगे। हालांकि दो राज्यों में मतदान की तारीखें अलग-अलग हैं। सात नवंबर को पहला मतदान होगा। उस दिन मिजोरम और छत्तीसगढ़ में मतदान होंगे। सत्रह नवंबर को छत्तीसगढ़ के दूसरे चरण के लिए और मध्यप्रदेश में मतदान होंगे। उसके एक-एक हफ्ते के अंतर पर राजस्थान और तेलंगाना में मतदान होंगे। नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे। इस तरह कुल छब्बीस दिनों में चुनाव संपन्न होंगे। राजनीतिक दल इसके लिए पहले से तैयारी में जुट गए थे। तमाम बड़े नेताओं, मंत्रियों आदि की रैलियां महीना भर पहले से होने लगी थीं। जाहिर है, मतदान की तारीखें घोषित होने के बाद अब सरगर्मी और बढ़ जाएगी। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है। विपक्षी दल एकजुट हैं। इस तरह इन चुनावों में सरगर्मी कुछ अधिक

रहने की संभावना है। हर राजनीतिक दल के बड़े नेता चुनाव प्रचार में उतरेंगे। इसलिए भी सुरक्षा कारणों से निर्वाचन आयोग ने मतदान को इतनी लंबी अवधि में फैलाने का फैसला किया होगा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में हमेशा अतिरिक्त सुरक्षा की जरूरत रहती है। कोशिश की जाती है कि उन इलाकों में लोग अधिक से अधिक संख्या में घरों से निकलें और अपने मताधिकार का उपयोग करें। इसलिए भी वहां दो चरण में मतदान का फैसला किया गया। हालांकि जबसे मशीनों से मतदान कराए जाने लगे हैं, तबसे अपेक्षा की जाती है कि मतदान और नतीजों के बीच की अवधि कम से कम रहे। कम से कम चरणों में मतदान कराए जाएं। मगर मशीनों के उपयोग के बाद भी निर्वाचन आयोग इस अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाता। पिछले कई चुनावों से देखा जा रहा है कि जब भी कई राज्यों के चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो मतदान की तारीखों में लंबा अंतर रखा जाता है। कई बार मतगणना तक महीने भर से अधिक का समय लग जाता है। इससे कई तरह की उलझनें पैदा होती हैं। कई चुनाव विशेषज्ञ इसे उचित नहीं मानते। पांच राज्यों के चुनाव अधिकतम दो दिनों में बांटे जा सकते थे, जिससे खर्च कम बैठता और राजकीय अमले को लंबे समय तक नाहक अफरातफरी के माहौल में नहीं फंसे रहना पड़ता। जहां मतदान सबसे अंत में होगा, वहां सबसे लंबे समय तक चुनाव प्रचार चलेगा और स्वाभाविक ही वहां के प्रशासनिक कामकाज में बाधा आएगी। इस तरह चुनाव की तारीखों को लंबे समय तक फैलाने के पीछे अक्सर निर्वाचन आयोग का तर्क होता है कि सुरक्षा कारणों की वजह से उसे ऐसा फैसला करना पड़ा। मगर जब लोकसभा चुनाव भी लगभग इतने समय में संपन्न करा लिए जाते हैं, तो पांच राज्यों के चुनाव में भला सुरक्षाबलों की तैनाती में ऐसी क्या अड़चन आ सकती है। चुनाव के लंबे समय तक फैले होने से विपक्षी दलों को निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का मौका मिल जाता है। फिर, जहां पहले चरण में चुनाव होगा वहां की मतपेटियों की सुरक्षा के लिए लंबे समय तक पहरा बिठा कर रखना पड़ेगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

लापरवाही की कीमत

कर्नाटक के बंगलुरु और तमिलनाडु के अरियालुर में पटाखों के जखीरे में आग लगने से कम से कम तेईस लोगों की जान चली गई। इससे फिर यही साबित होता है कि प्रशासनिक लापरवाही की कीमत नाहक आम लोगों को चुकानी पड़ती है। गौरतलब है कि शनिवार को बंगलुरु के अट्टीबेले इलाके में पटाखे की एक दुकान में आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर चौदह लोगों की मौत हो गई। वहां दशहरा और दिवाली में कारोबार के मद्देनजर भंडारण करने के लिए वाहन से पटाखे उतारे जा रहे थे कि उनमें आग लग गई। इसके बाद समूची दुकान और गोदाम आग की चपेट में आ गए। हादसे के वक्त वहां पैंतीस से ज्यादा लोग काम कर रहे थे, लेकिन गनीमत यह रही कि उनमें से कई लोग किसी तरह अपनी जान बचा सके। इस त्रासदी पर लोग दुख जता ही रहे थे कि सोमवार को तमिलनाडु के अरियालुर में भी पटाखे के एक गोदाम में आग लग गई और उसमें नौ लोगों की जान चली गई। आमतौर पर ऐसी घटनाओं को हादसा मान लिया जाता और सरकार इसी नजर से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करती है। मगर सवाल है कि हर वर्ष पटाखे की दुकानों, गोदामों और कारखानों में लापरवाही की वजह से आग लगने की घटनाएं सामने आती रहती हैं, लेकिन संबंधित इलाकों का प्रशासन तभी इस मसले पर कुछ सक्रिय दिखता हैं, जब कोई बड़ा हादसा हो जाता और मामला तूल पकड़ लेता है। कर्नाटक या तमिलनाडु में भी हादसे के बाद दोनों सरकारों ने जिम्मेदार लोगों को कानून के कठघरे में खड़ा करने और पीड़ितों को मुआवजा देने की घोषणा की है। सवाल है कि ऐसी त्रासदी की आशंका लगातार बनी रहने के बावजूद संबंधित सरकारी महकमे समय रहते बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं करते। सरकारी दस्तावेजों में इससे संबंधित नियम-कायदे दर्ज होंगे, लेकिन उसे जमीन पर उतारने को लेकर शायद ही कभी गंभीरता दिखती है। यों सवाल उठने पर सरकार हमेशा सख्ती के दावे करती है, लेकिन आखिर पटाखे का कारोबार करने वालों को कैसे यह छूट मिल जाती है कि वे निर्धारित नियमों को ताक पर रख कर इस कारोबार में व्यापक स्तर पर लापरवाही बरतते हैं और इसका खमियाजा वहां काम करने वालों को भुगतना पड़ता है? दिवाली और इसके आसपास के अन्य त्योहारों के नजदीक आने के साथ ही पटाखा फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ जाता है। थोक और खुदरा दुकानों में इसका भंडारण किया जाने लगता है। मगर इससे होने वाले हादसों की संवेदनशीलता का ध्यान रखने की जरूरत नहीं समझी जाती। नतीजतन, हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्से में पटाखा गोदामों और फैक्ट्रियों में आग लगने तथा उसमें जानमाल की भारी तबाही की खबरें आती रहती हैं। निश्चित तौर पर यह महज अंधाधुंध कमाई के लिए पटाखा कारोबारियों की ओर से बरती जाने वाली जानलेवा लापरवाही है, मगर पटाखे से आग लगने की आशंका की अनदेखी करने का दुस्साहस उनमें कैसे आता है? अगर पटाखों की बिक्री को रोका नहीं जा सकता तो क्या यह जरूरी नहीं है कि आग लगने के लिहाज से बेहद संवेदनशील होने के मद्देनजर पटाखों के निर्माण से लेकर इसके समूचे कारोबार और उपयोग को पूरी तरह नियंत्रित तरीके से संचालित किया जाए?

स्नेहिल वनिता संघ की धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्नेहिल वनिता संघ ,जयपुर की महिला श्राविकाओं ने एक दिवसीय धार्मिक यात्रा की सर्वप्रथम बड के बालाजी में भगवान चन्द्र प्रभजी की पद्मासन मूर्ती के दर्शन की। इसके बाद संघ बगरु में 105 श्री भरतेश्वरीमति माताजी के संघ के दर्शन के लिए गये। वहां पहुंचकर भरतेश्वरमति माताजी,भव्यमति माताजी व अन्य माताजी व संघ की दीदियों आदि के दर्शन किये, प्रवचन सुने व मोजमाबाद पहुंच कर बडे मंदिरजी में भगवान आदिनाथ व अन्य मूर्तियों के दर्शन कर माधोराजपुरा पहुंचे। भगवान पार्श्वनाथ के ऊपर मंजिल में दर्शन कर नीचे ज्ञानमति माताजी के मंदिर में दर्शन किये व संघ की अध्यक्षा श्रीमति लता का जन्मदिन बडी सादगी से मनाया। सभी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी व फिर चकवाडा के दर्शन कर गुणस्थली पहुंचे। मंदिरजी व गुणसागरजी की स्थली के दर्शन कर सभी ने भोजन किया व फागी रवाना हुये। वहां बिराजमान माताजी के दर्शन किए तथा मंदिर जी के दर्शन कर जयपुर के लिए रवाना हुये। इस यात्रा के समापन पर विनिता संघ की कोषाध्यक्ष डां शान्ति जैन ''मणि'' ने सभी महिला श्राविकाओं का आभार व्यक्त किया।

श्री सम्मेदशिखर तीर्थ की परिक्रमा कर लिया मुनिवर प्रमाण सागर का आशीर्वाद

सैंकड़ों यात्रियों ने की पर्वत की परिक्रमा, विधान और वंदना

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेदशिखर, मधुबन झारखण्ड की परिक्रमा (चतुर्थ) करने के लिये इस बार विशेष कार्यक्रम श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में सानंद सम्पन्न हुआ। जयपुर और बाहर के सैंकड़ों की संख्या में यात्री तीर्थराज सम्मेदशिखर की वंदना और परिक्रमा करने श्री सम्मेद शिखर पहुंचे। तीर्थ यात्री 5 अक्टूबर को, जयपुर से रवाना हुए। यात्रा संयोजक गौरव छाबड़ा, राहुल जैन और राजेश बोहरा ने बताया कि इस यात्रा के दौरान दिनांक 5 अक्टूबर से 11 अक्टूबर के मध्य कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसमें दिनांक 7 अक्टूबर को तीर्थराज विधान किया गया जिसमें सोधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य महावीर कुमार, केशव सपना गोदिका जयपुर निवासी को प्राप्त हुआ। दिनांक 8 अक्टूबर को श्री सम्मेदशिखर वंदना और 9 से 10 अक्टूबर को तीर्थराज की चतुर्थ परिक्रमा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप सोगानी, अरुणेश गंगवाल ने बताया कि सभी यात्रियों ने तीनों कार्यक्रम संपन्न कर मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनिराज ने इस क्षेत्र की महिमा के बारे में बताया कि इस क्षेत्र की परिक्रमा 52 किलोमीटर की है इसे पैदल चलकर पूर्ण करना जीवन की बड़ी उपलब्धि है ये क्षेत्र काफी दुर्लभ है इस क्षेत्र से असंख्यात चौबीसी एवं अनन्तानन्त मुनीश्वरों ने कर्मनाश कर मोक्षपद प्राप्त किया है। वर्तमान चौबीसी के काल में यहाँ की 20 टोंकों से 20 तीर्थंकरों के साथ 86 अरब 488 कोड़ाकोड़ी 140 कोड़ी 1027 करोड़ 38 लाख 70 हजार 323 मुनियों ने कर्मों का नाश कर मोक्ष पद प्राप्त किया है। ऐसे सभी पापों की निर्जरा करने वाले पावन तीर्थराज की वंदना करने से 33 कोटि 234 करोड़ 74 लाख उपवास का फल प्राप्त होता है। इस तीर्थ की परिक्रमा जीवन में एक बार अवश्य करनी चाहिए।

जीवन को पावन ओर पवित्र बनाने वाला धर्म हमारा आधारः इन्दुप्रभाजी म.सा.

पाप करने से डरे, ईश्वर भले माफ कर दे पर कर्म नहीं छोड़ेंगे- दर्शनप्रभाजी म.सा.

रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । धर्म ही हमारे जीवन का आधार है। धर्म करने से मनुष्य का जीवन पावन एवं पवित्र होता है। हम धर्म से जुड़े रहेंगे तो हमारे विचार भी श्रेष्ठ बनेंगे। धर्म खेत में तैयार नहीं होता बल्कि अपनी क्रियाओं से उसे अपनी आत्मा के अंदर निपजाना होता है। धर्म करने वाले के जीवन में सभी परेशानियों का हल हो जाता है ओर दुःख आकर भी उसे दुःखी नहीं कर पाते है। वह समभाव में रहना सीख जाता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में बुधवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में

व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भी विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि ईश्वर से भले मत डरिये लेकिन अपने कर्म से डरिये। भगवान भले हम अपनी गलतियों के लिए माफ कर दे पर कर्म कभी माफ नहीं करते ओर पीछा नहीं छोड़ते। कर्म का फल भोगना ही पड़ता है। जीवन में समकित भाव आने पर ही भव सागर से किनारा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हंसना बुरा नहीं है लेकिन किसी की हंसी उड़ाना बुरा है। ज्ञान को बोझ नहीं बनाकर उससे बोध लेना है। ज्ञान पर अभिमान करने वाले का पतन हो जाता है। जीवन में पैसा कभी सुख ओर शांति की गारंटी नहीं हो सकता इसलिए धर्म की शरण में जाना चाहिए। पैसा होने से बाहरी परिवर्तन बहुत आता है लेकिन यह नहीं समझ पाते है कि पूर्व जन्मों के पुण्य के कारण यह सब मिल रहा है। कभी भी अपने हाथ से कार्य करने में शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए क्योंकि अपने हाथ जगन्नाथ होते है। दूसरों पर निर्भर रहने वाला हमेशा कष्ट पाता है। तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने भजन ह्यमेरे दादा के दरबार सब लोगों का खाताह्न की प्रस्तुति देने के साथ अधिकाधिक जिनवाणी श्रवण कर धर्म प्रभावना करने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में पधारे अजमेर वैशालीनगर श्रीसंघ के मंत्री डॉ. पीएम डोसी एवं महिला मण्डल की सुश्राविका सुशीला पीपाड़ा आदि अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन समिति के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे हैं।

मानव भव अनमोल भव है इसे संसार में व्यर्थ न गवाएं: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। मानव भव अनमोल है इसे व्यर्थ न गवाये। बुधवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा मे श्रावक श्राविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि संसार मे मनुष्य अमूल्य भव को निद्रा खाने.पीने और राग द्वेष तथा संसार के भौतिक सुख सुविधाओं एवं वस्तुओं को प्राप्त करने में अमूल्य दुलर्भ भव को यूही बर्बाद कर रहा है। संसार मे क्षण भर के सूख के लिए मानव भव खोये नहीं। आत्मा से परमात्मा का रास्ता मनुष्य योनी से ही पाया जा सकता है। प्राणी अपनी ओली ऐसे लिखें की दुर्गति से सदगती प्राप्त हो। वो धर्म के मार्ग से मिल सकती है।जब तक मन में करूणा दया के भाव नहीं आएंगे।तब तक मानव चौरासी लाख योनियों में ऐसे ही भटकता ही रहेगा और आत्मा को मुक्ति नहीं दिलवा सकता है। मनुष्य जीवन को सार्थक बनाने के लिए एक 1 मिनट और एक-एक पल की कीमत समझकर धर्म के क्षेत्र में अधिक समय व्यतीत करेगा और सांसारिक पर लुभावन वस्तुओं से दूर रहकर धर्म अर्जित करेगा उतना ही इस भव के साथ अगले भव मे प्राप्त कर सकता है और आत्मा पवित्र बना पाएगा। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्यय अध्ययन सूत्र वांचन करते हुए कहा कि दया करूणा और अनुकंपा से बढ़कर जीवन मे कोई धर्म नही हो सकता है। मनुष्य के विचारों और मन की भावना शुध्द और पवित्र है वह पुण्यावानी को बांध लेगा तथा भावना कुटिल अशुध्द रखकर वह कितना भी दान पुण्य करले वह इंसान पुण्यावानी नही बांध सकता है और ना ही उसे दान का फल मिलने वाला है। इसदौरान धर्मसभा अनेक श्रध्दांलूओ के साथ श्री एस. एस. जैन संघ साहुकार पेट के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया मंत्री सज्जनराज सुराणा, महावीर कोठारी, शम्भूसिंह कावड़िया आदि की धर्मसभा मे उपस्थित रही ।

जैन संत शुद्ध सागर महाराज का दीक्षा जयंती समारोह धूमधाम से मनाया

विमल पाटनी जौंला. शाबाश इंडिया

निवाई। जैन संत शुद्ध सागर जी महाराज को वषायोग 2023 के दौरान जैन समाज द्वारा दीक्षा जयंती पर अध्यात्मवेत्ता उपाधि से किया अलंकृत किया। निवाई में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज का पांचवा दीक्षा जयंती समारोह धूमधाम से मनाया। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि जैन बिचला मंदिर के पास शांतिनाथ भवन पर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा समारोह में अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें सर्व प्रथम राज्य भर से आए श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के चित्र का लोकार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस दौरान स्थानीय महिला मण्डल की महिलाओं द्वारा मंगलाचरण किया गया।जौंला ने बताया कि कार्यक्रम में मुनि शुद्ध सागर महाराज का चरण प्रक्षालन करने का सौभाग्य नसिंया जैन मंदिर की महिला मण्डल को मिला। इसके बाद जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य महावीर प्रसाद शिखरचंद सुरेश कुमार अशोक कुमार एवं नीरज जैन माधोराजपुरा परिवार को प्राप्त हुआ।इस दौरान धर्म प्रभावना महिला मण्डल को मुनि शुद्ध सागर महाराज की आरती करने का सुअवसर सौभाग्य मिला। जौंला ने बताया कि समारोह के बीच मुनि शुद्ध सागर महाराज के पांचवें दीक्षा जयंती समारोह एवं चातुर्मास को लेकर आचार्य विशुद्ध सागर महाराज एवं जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज की संगीतमय पूजन पण्डित सर्वज्ञ शास्त्री ने विधि विधान के साथ गायक ज्ञानचंद सोगानी विमल सोगानी अजीत काला विमल जौंला एवं सोभागमल सोगानी के मधुर भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किए।

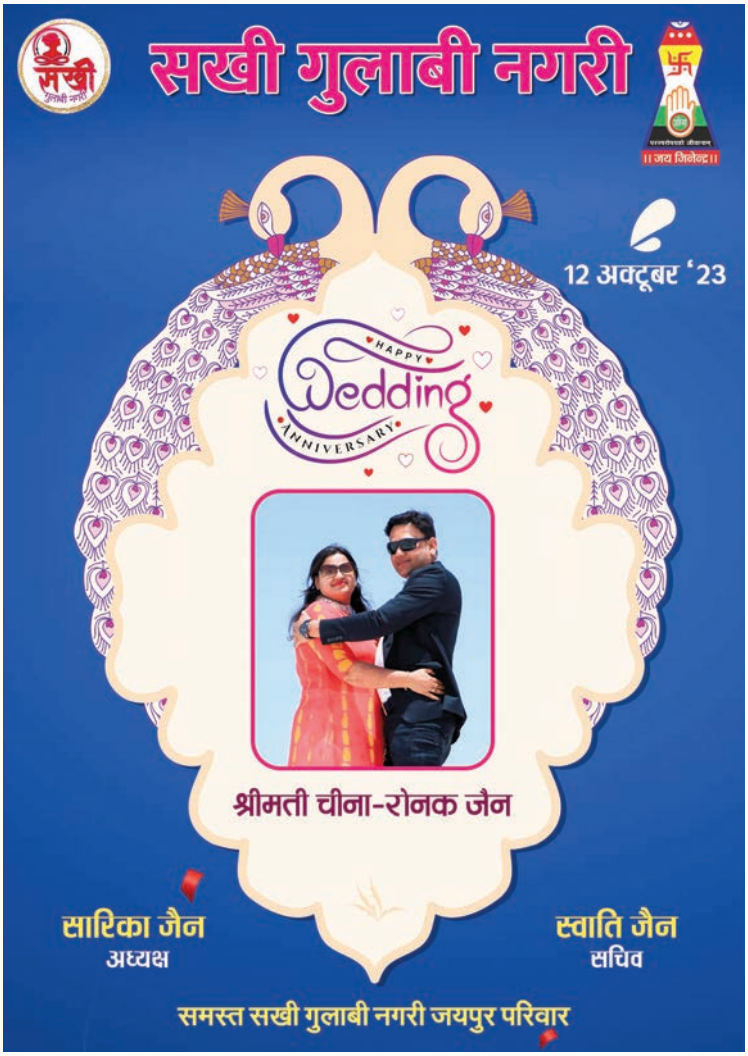

जैनेश्वरी मुनि दीक्षा महोत्सव पर 25 अक्टूबर को बड़ौत में जुटेंगे जैन श्रद्धालु

दिगम्बराचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज देंगे निर्गन्थ दीक्षा

बड़ौत (यूपी). शाबाश इंडिया

राजकीय अतिथि चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में 25 अक्टूबर को बड़ौत के दिगम्बर जैन कॉलेज के सी फील्ड में दोपहर 12:27 बजे से 8 बाल ब्रह्मचारी दीक्षार्थी बंधुओ का मुनि दीक्षा महोत्सव बड़ौत दिगम्बर जैन समाज समिति के तत्वावधान में धूमधाम से मनाया जायेगा। ऐशो आराम और करोड़ो की संपदा, सांसारिक जीवन को छोड़कर 8 संयमी युवा जैन मुनि दीक्षा लेंगे। दीक्षा महोत्सव में 10,000 से अधिक जैन श्रद्धालु देश-विदेश के अनेक स्थानों से सम्मिलित होंगे।

जब वैराग्य जगा आदि मन मे, जिन दीक्षा ली जाकर वन में

4 दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ 22 अक्टूबर को सुबह 6 बजे हल्दी रस्म से होगा। शाम को 6 बजे से ऋषभ सभागार मे मेहंदी रस्म और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। वहीं 23 अक्टूबर को दोपहर 12:15 बजे से मुनि दीक्षार्थियों की बिनोली (शोभायात्रा) निकाली जायेगी। जो अतिथि भवन से प्रारंभ होकर नेहरू मूर्ति, महावीर मार्ग, कैनाल रोड, गाँधी रोड से होती हुई मान स्तंभ परिसर पर पहुंच कर संपन्न होगी। इसके बाद 24 अक्टूबर को सुबह 11 बजे दीक्षार्थियो का आहारचर्या अभ्यास, दोपहर 1 बजे से गण धरवलय विधान और रात्रि 3 बजे केशलोच संपन्न होगा। वहीं मुख्य कार्यक्रम 25 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 27 मिनट से भव्य जैनेश्वरी मुनि दीक्षा समारोह आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य और पंडित श्रेयांस जैन के निर्देशन में पारम्परिक क्रियाओं के साथ संपन्न होगा। बड़ौत दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष प्रवीण जैन को दीक्षा महोत्सव का प्रथम निर्देशक संयोजक और सुनील जैन तेल वालो को दीक्षा महोत्सव का द्वितीय संयोजक बनाया गया है।दीक्षा कार्यक्रम हेतु दिगंबर जैन कॉलेज के सी फील्ड मे भव्य पांडाल बनाया जा रहा है। पूरे बड़ौत नगर को दुल्हन की तरह सजाया जायेगा। बाहर से पधारे यात्रियों को ठहराने के लिए बड़ौत की सभी धर्मशालायें और होटल बुक कर दिये गए है। बड़ौत के सभी दिगंबर व श्वेतांबर जैन समाज ही नही, बल्कि स्थानीय सभी जैनेत्तर समाज में भी दीक्षा महोत्सव की विशेष उत्साह है।

27 अक्टूबर को अयोध्या में दिगंबर जैन सर्वजातीय सम्मेलन

अयोध्या. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गणिनी प्रमुख ,सर्वप्राचीन दीक्षित श्री ज्ञानमती माताजी के 72 वें संयम दिवस एवं 90 वें जन्म जयंती पर आयोजित ''शरद पूर्णिमा ज्ञानान्जलि महोत्सव में दिगंबर जैन समाज की समस्त जातियां यथा अग्रवाल जैन, खंडेलवाल जैन, हूमड जैन बेघेरवाल, सेतवाल, गोलापूर्व और गोलालरिय जैसवाल, कठनेरा समैया, पोरवाल,पोरवाड,

नरसिंहपुरा, चतुर्थ पंचम , लमेन्चु, पद्मावती पोरवाल मालवा, पद्मावती पोरवाल उत्तर प्रदेश, पल्लीवाल, परवार, खरौआ, कासार गोल सिंगारे, नागदा, चित्तौड़ा, आदि सभी संगठनों के पदाधिकारियों व सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में एक विशाल ₹दिगंबर जैन सर्वजातीय सम्मेलन'' 27 अक्टूबर दोपहर 1:00 बजे से महातीर्थ अयोध्या भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगंबर जैन तीर्थ बड़ी मूर्ति परिसर में आयोजित किया गया है। भारतवर्षीय दिगंबर जैन सर्वजातीय महासंघ अंतर्गत दिगंबर जैन त्रिलोक शोध संस्थान जम्बूद्वीप, हस्तिनापुर, उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्ति रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री हंसमुख गांधी इंदौर के अनुसार आदिकालीन परंपरा के अनुसार 84 जातियों में से जो वर्तमान में उपलब्ध है उनके पदाधिकारी श्रावक-श्राविकायें उपस्थित होंगी। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक एकता, संगठनों की मजबूती। संगठनों द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों एवं गतिविधियों को सभी के मध्य प्रोत्साहित करना है। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत कराया कि पूज्य माता जी की 90 वीं जन्म जयंती पर भव्य आयोजन 28 अक्टूबर को अयोध्या में आयोजित किये गये हैं।

श्री प्रभु तीर्थ वंदना यात्रा का हुआ हर्ष उल्लास भक्तिभाव से समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्राचीन अतिशयकारी श्री शांतिनाथ दि जैन मंदिर मुख्य बाजार स्थित की ओर से कार्यक्रम संयोजक विनोद पापडीवाल राकेश पाटनी के नेतृत्व में दो दिवसीय तीर्थ वंदना यात्रा का भव्य आयोजन का समापन हुआ। इस अवसर पर जैन समाज के प्रमुख समाजसेवी विनय स्नेहलता सौगानी ने जैन ध्वजा फहरा कर यात्रा का रवाना किया था। सभी श्रावक श्राविकाओं ने अतिशय क्षेत्र मेहंदवास साखना आवा के दर्शन करते हुए जहाजपुर स्वस्तिधाम अतिशय पहुंचे जहा भूगर्भ से अवतरित अतिशयकारी 1008 मुनि सुव्रत के दर्शन के पश्चात सभी श्रद्धालु ने महाआरती का आयोजन किया इसके पश्चात महिला मण्डल प्रमुख पुनीता रेखा पाटनी प्रीति गोधा के नेतृत्व में धार्मिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विजेताओं को वृत्तिका पापडीवाल निहारिका क्षमा दिव्य जैन की ओर से प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार एवं मंदिर समिति की ओर से सभी श्रद्धालु परिवारों को उपहार भेंट किए गए इसके पश्चात सभी श्रवाको प्रातः अभिषेक शांतिधारा करने के बाद श्री चवलेश्वर पारसनाथ के दर्शन करने के बाद श्री पार्श्वनाथ बिजौलिया जी के दर्शनों के लाभ प्राप्त कर 48 दीपको

द्वारा श्री भक्तामर दीप अनुष्ठान कर जयपुर की ओर प्रस्थान किया इस अवसर पर समाजसेवीका डा उषा सेठी प्रमोद जैन मुकेश जैन आवा किरण सौगानी निर्मल गोधा कमल वैद सुमित्रा जैन दिव्य पाटनी सरिता बाकलीवाल ने विशेष योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

इंस्पायर मानक में राष्ट्रीय स्तर पर चुने गए प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी

जोधपुर. शाबाश इंडिया। इंस्पायर मानक में राष्ट्रीय स्तर पर चुने गए प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी शिक्षा विभाग एवं भारती फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में सत्य भारती क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुई इंदा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धर्मादिया बेरा, बालेसर, जोधपुर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढूंढा व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सान्सियों का तला, बाड़मेर से 11 विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत द्वारा इंस्पायर मानक में चुने गए 500 श्रेष्ठ विज्ञान के प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी जोकि इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कंपलेक्स नई दिल्ली में 9 अक्टूबर एवं 10 अक्टूबर 2023 को आयोजित हुई, उसमें भाग लिया जिसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों को विशेषतः दो पहिया वाहन में बच्चों की अभिनव सीट, प्लास्टिक अपशिष्ट का अभिनव उपयोग, सब्जियों और फल तोड़ने और इकट्ठा करने के लिए स्मार्ट उपकरण एवं प्रयोग में लाई जाने वाली विशेष सुइयां और पांचवी पीढ़ी की जल निकासी प्रणाली जैसे प्रोजेक्ट्स विद्यार्थियों को काफी पसंद आए। इन गतिविधियों में भाग लेने से विद्यार्थियों को अपने आसपास में होने वाली समस्याओं के निवारण हेतु कुछ ऐसे विशिष्ट उपकरण बनाने का अवसर मिलता है और अपने इन आविष्कारों को राष्ट्रीय स्तर पर साझा करने का एक सुनहरा अवसर भी मिलता है।

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ में होने जा रहा है दस दिवसीय महार्चना एवं जाप्यानुष्ठान

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी के इतिहास में प्रथम बार गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ पावन सान्निध्य में विशाल रूप में दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान का महाआयोजन होगा। 15 - 24 अक्टूबर 2023 तक निरन्तर चलने वाली आराधनों को दिगम्बर जैन समाज के द्वारा सम्पन्न कराया जायेगा। जिसमें भारत वर्ष के सभी जैन - जैनेत्तर बंधुओं को शामिल होने का अवसर मिलेगा। शांतिनाथ चैत्यालय में शांतिनाथ भगवान की अखण्ड शान्तिधारा करने का सौभाग्य श्री रतनलाल जी बड़जात्या आवडा वाले चौमुंबाग जयपुर वालों ने प्राप्त किया। तत्पश्चात गुरु मां के पाद - प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य चातुर्मास कर्त्ता परिवार को प्राप्त हुआ। प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए माताजी ने कहा कि - भगवान की आराधना का अचिन्त्य फल है। सारे संकट - आधि - व्याधिओं को नष्ट करने वाला है। नवरात्रि एवं दशहरा के दिनों में जो भी भगवान की आराधना करता है उसे तात्कालिक फल की प्राप्ति होती हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com